MAIMS celebrate 350 Shri Guru Gobind Singh PRAKASH UTSAV & Swami Vivekanad 154th Birth Century (12th Jan, 2017)

दशम गुरु और स्वामी विवेकानन्द के जन्मोत्सव पर मेम्स में भव्य आयोजन

दशम गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह और स्वामी विवेकानंद ऐसे महापुरुष थे जिन्होंने भारत के जनमानस को स्वाभिमान से जीना सिखाया और 'चढ़दी कलां' (सकारात्मकता) की सोच दी। ऐसे महापुरुषों का जन्मोत्सव मानाने के लिए महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट स्टडीज (मेम्स) में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। शबद गायन , व्याख्यान के अतिरिक्त स्वामी विवेकानंद और गुरु गोबिंद सिंह के जीवन को दर्शाने वाली दो फिल्मों का प्रदर्शन इस कार्यक्रम के मुख्य अंग थे।संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष डा. नंदकिशोर गर्ग और निदेशक प्रोफ़ेसर एम्. के. भट ने पुष्प गुच्छ और शाल भेंट कर अतिथियों का सम्मान किया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष श्री मंजीत सिंह जी. के. ने दशम गुरु की योद्धा वृत्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अपने और अपने परिजनों के बलिदान से न केवल मुग़ल अत्याचारों का पुरजोर जवाब दिया , बल्कि हिदुस्तान में ऐसी जान फूंक दी कि हिन्दू समाज एक बार फिर उठ खड़ा हुआ। उनके बाद यह बीड़ा स्वामी विवेकानन्द ने उठाया और विश्व को भारत की आध्यामिक शक्ति का एहसास कराया। भारतीय समाज को कुरीतियों से मुक्त करने और स्वाभिमान का भाव जगाने का कार्य किया। प्रोफ़ेसर अमरजीत कौर ने गुरु साहिब के प्रेरक जीवन की झलक प्रस्तुत की। डा. नन्द किशोर गर्ग ने कहा कि स्वामी विवेकानंद और दशम गुरु जी ने देश को आज़ाद करने का बीड़ा उठाया। यह आज़ादी सिर्फ मुगलों या अंग्रेजो से नहीं थी बल्कि व्याप्त कुरीतियों , अन्धविश्वासों से भी थी जिन्होंने समाज को घुन की तरह खोखला कर दिया था। कार्यक्रम में महाराजा अग्रसेन टेक्नीकल एजुकेशन सोसाइटी के ट्रस्टीगण और पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

श्री गुरु
स्वामी
समय प्रातः